बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर द्वारा आयोजित दो दिवसीय किसान मेला–2022 के समापन समारोह के अवसर पर महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान का सम्बोधन

(दिनांक 30.03.2022, समय–अप० 05:00 बजे, स्थान–बामेती परिसर, पटना)

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर द्वारा राज्य मुख्यालय, पटना में दो दिवसीय किसान मेला–सह–प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है तथा आज उसका समापन हो रहा है।

बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर ने इस प्रदेश के अन्नदाता किसानों की आमदनी बढ़ाने तथा ग्रामीण आजीविका में सुधार एवं सुरक्षा के लिए नई तकनीकों को विकसित करके युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित किया है।

इस किसान मेले के माध्यम से भारत सरकार द्वारा बिहार के प्रत्येक जिले के लिए एक–एक कृषि उत्पाद को चिह्नित किया गया है और विश्वविद्यालय ने इन उत्पादों के प्रोत्साहन, भंडारण, विपणन आदि के लिए उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन इस कार्यक्रम में किया है।

मुझे ज्ञात हुआ है कि विश्वविद्यालय के प्रयास से बिहार के विख्यात जर्दालू आम, कतरनी धान, मगही पान एवं शाही लीची को वैश्विक सूचक प्राप्त हुआ है। यह हम सबके लिए गौरव की बात है।

इस दो दिवसीय किसान मेले के अवसर पर मैं अपने अन्नदाता किसान भाइयों एवं बहनों का अभिनंदन करते हुए आभार प्रकट करता हूँ। आपके परिश्रम एवं सहयोग से बिहार ने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस राज्य को 05 (पाँच) बार देश के सर्वोच्च कृषि सम्मान– 'कृषि कर्मण पुरस्कार' प्राप्त हुआ है। राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित के लिए संचालित योजनाओं में शामिल होकर आप सभी ने धान, गेहूँ, मक्का, दलहन एवं तेलहन सहित अन्य फसलों के अनाज तथा बीज उत्पादन में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

मुझे प्रसन्नता है कि बिहार राज्य के सभी नागरिकों की पोषण सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर प्रयत्नशील है। मैं विश्वविद्यालय परिवार को धन्यवाद देता हूँ, जिसने कोविड–19 जैसी महामारी के दौरान घर वापस आने वाले लोगों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर उनका कौशल उन्नयन किया है, जिससे उन्हें स्थानीय स्तर पर भी रोजगार प्राप्त हो सका।

इस किसान मेले में पशु प्रदर्शनी के आयोजन से हमारे किसान भाइयों एवं बहनों को प्रोत्साहन मिलेगा और वे अपने कार्यों में विशेष रूचि लेंगे। बिहार राज्य के लिए छोटे पशु जैसे बकरी, भेड़, खरगोश आदि का पालन सीमांत तथा भूमिहीन किसानों की आर्थिक उन्नति का एक महत्वपूर्ण साधन है। इसी प्रकार मुर्गी एवं बत्तख के पालन से हमारे किसानों, विशेष रूप से महिला किसानों को लाभ प्राप्त हो रहा है।

इस मेले में विश्वविद्यालय के सहयोग से स्वरोजगार सृजन करने वाले युवा उद्यमियों को भी मैं बधाई देता हूँ जिनके द्वारा हमारे किसानों को ससमय अनेक प्रकार के कृषि उपादान एवं अन्य सेवायें स्थानीय स्तर पर ही प्राप्त हो रही हैं।

मैं बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर द्वारा किसान मेले के सफल आयोजन हेतु इससे जुड़े सभी महानुभावों को साधुवाद देता हूँ। बहुत–बहुत धन्यवाद।

जय हिन्द!

***